छोड़ दे कलाई मोरी मोहना मुरारी

छोड़ दे कलाई मोरी मोहना मुरारी,
भीज रही सारी नाहीं मार पिचकारी
डाले काहे रंग काहे करे हुड़दंग,
काहे हो गया है श्याम मतवाला,
गोरी बृज बाला मैं तेरा गोपाला बिरज का ग्वाला,
मैं हूँ रंगबाज मुरलिया वाला.....

कान्हा तुमको सबक सीखा दूंगी,
जाके मैया से बता दूँगी,
कितना परेशान किया मुझको,
जाके यसोदा माँ को दिखा दूंगी,
राधा मेरी जान ये होली है,
तेरे कान्हा की ये ठिठोली है,
राधा मेरी जान ये होली है,
तेरे कान्हा की ये ठिठोली है,
मुझपे नाराज ना हो पगली,
तू तो पहले से मेरी हो ली है,
छोडूंगी नहीं मैं कान्हा किया तूने तंग मेरा,
अंग अंग तूने रंग डाला गोरी बृज बाला,
मैं तेरा गोपाला बिरज का ग्वाला,
मैं हूँ रंगबाज मुरलिया वाला...

तुम बरसाने में आते हो,
चोरी से मुझे बुलाते हो,
फिर कर के बहाना आते हो,
तुम मुझको बहुत सताते हो,
जब जब फगुआ आता है,
बहु रंग बहारे लाता है,
कैसे मैं तुमसे दूर रहूं,
मेरा रोम रोम हर्षाता है,
छोड़ दे डगर मोहे जाने दे घर,
वरना कर दूंगी मुख काला
गोरी बृज बाला मैं तेरा गोपाला बिरज का ग्वाला,
मैं हूँ रंगबाज मुरलिया वाला

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20990/title/chod-de-kalai-mori-mohana-murari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |